हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, सोमवार, 25 दिसंबर 2023

11 प्रदेश में आप की लहर, यात्रा को जनता का मिला समर्थन...

12 किसान व मजदूर की खुशहाली से ही देश में ...

खबर संक्षेप

नगर पालिका ने चलाया बैनर हटाओ अभियान

बवानीखेड़। नगर पालिका बवानी खेड़ा कर्मचारियों द्वारा खंभों व सार्वजनिक स्थानों पर लगे बैनरों को हटाने का अभियान चलाया। कर्मचारियों द्वारा सभी बैनरों को बिजली के पोल व अन्य स्थानों से उतारकर ट्रेक्टर-ट्राली में डालकर एरिया को साफ किया। हालांकि कस्बा में ये चर्चा भी रही की एक पार्टी को छोड़कर अन्य पाटियों के कार्यकर्ताओं के सभी बैनरों को हटा दिया गया।

एग्रीमेंट पर गाड़ी खरीद जमा नहीं करवाई किस्त

बाढ़ड़ा। झोझू कलां निवासी एक व्यक्ति ने एग्रीमेंट पर गाड़ी खरीदकर किस्त जमा नहीं करवाई। जिसके चलते गाड़ी मालिक द्वारा पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस को दी शिकायत में भिवानी निवासी संजय ने बताया कि उसके पास टाटा एसीआर गोल्ड गाड़ी है। उसने यह गाड़ी झोझू कलां निवासी व्यक्ति को दे दी और कोर्ट में एग्रीमेंट करवाया गया कि उक्त व्यक्ति बकाया किस्तें भरेगा। गाड़ी लेने वाले व्यक्ति ने कुछ किस्तें तो जमा करवाई लेकिन बाद में उसने किस्त जमा करवाना बंद कर दिया।

जल्द शुरू होगा अतिक्रमण हटाओ अभियानः उपायुक्त

चरखी दादरी। दादरी शहर में एक बार फिर से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने की तैयारी कर ली गई है, जिसके मुताबिक जल्द ही अवैध कब्जों पर दोबारा से पीला पंजा चलता नजर आएगा। डीसी मनदीप कौर ने अभियान शुरू करने से पहले लोगों से अवैध कब्जे हटाने की फिर अपील की है।

परीक्षा से पदोन्नति की राह पर चलने की तैयारी, विभागाध्यक्षों से मांगे सुझाव

पुरुषोत्तम तंवर ▶▶| भिवानी

अगर सभी विभागाध्यक्षों की तरफ से परीक्षा से पदोन्नति देने के सुझाव व कमेंट्स सरकार के पक्ष में दे दिए गए तो कर्मचारियों के लिए पदोन्नति पाने की राह आसान नहीं होगी। पदोन्नति पाने के लिए कर्मचारियों को पदोन्नति की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। फिलहाल प्रदेश के मुख्य सचिव ने सभी विभागाध्यक्षों को पत्र भेजकर परीक्षा से पदोन्नति कराए जाने के बारे में सुझाव व कमेंट्स मांगे हैं। इनकी तरफ से सुझाव मिलने के बाद ही इस प्रस्तावित योजना पर अमल शुरू हो पाएगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 21 दिसम्बर को चीफ सेक्रेटरी की तरफ से सभी विभागाध्यक्षों को भेजे पत्र संख्या क्रमांक 02/29/2020-2एचआर-1 के माध्यम से प्रत्येक विभाग के विभागाध्यक्ष कर्मचारियों को पदोन्नति परीक्षा के जरिए लिए जाने का कमेंट्स मांगा है। साथ ही विभागाध्यक्षों से इस बारे में सुझाव भी मांगे है। ताकि इस प्रस्तावित योजना को ओर प्रभावी बनाया जा सके। उक्त कमेंट्स व सुझाव पत्र में भेजी गई ई-मेल पर सांझा करने के निर्देश दिए है। हालांकि कॉमेंट व सुझाव के लिए तिथि तय नहीं की गई है,लेकिन जल्द से जल्द इस बारे में सुझाव भेजे जाने के निर्देश दिए है। यहां यह बताते चले कि सरकार ने उक्त पत्र के माध्यम से ग्रुप सी से बी, बी ग्रुप से एक ग्रुप में पदोन्नति देने के लिए यह प्रस्तावित योजना का खाका तैयार किया है। बताते हैं कि सभी विभागाध्यक्षों की तरफ से इस प्रस्तावित योजना पर जिस तरह के सुझाव मिलेगें। उसी हिसाब से इस योजना को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

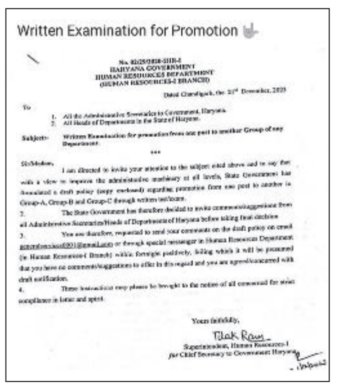

■ सरकार ने उक्त पत्र के माध्यम से ग्रुप सी से बी, बी ग्रुप से एक ग्रुप में पदोन्नति देने के लिए यह प्रस्तावित योजना का खाका तैयार किया है

घटेगें पदोन्नति के अवसर : सुकेश

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुकेश कुमार ने कहा कि पदोन्नति में परीक्षा के आयोजन की प्रस्तावित योजना का जो खाका तैयार किया है। उससे कर्मचारियों को फायदा नहीं होगा। अगर यह योजना लागू होती है तो कर्मचारियों के पदोन्नति के अवसर घट जाएंगे। क्योंकि हर कर्मचारी की तैयारी प्रतियोगिता परीक्षा की नहीं हो पाती। ऐसे में अगर सरकार या विभाग पदोन्नति के लिए मौका भी दे देती है तो कर्मचारी के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करना बेहद कठिन होगा। ऐसे में सरकार को कर्मचारियों को पदोन्नति पुरानी तर्ज पर ही कराया जाना चाहिए। ताकि कर्मचारियों पर पदोन्नति की परीक्षा का बोझ न बन पाए।

लिपिकों को टाइप टेस्ट से वेतन वृद्धिः किसी भी विभाग में तैनात लिपिक को वेतन वृद्धि तभी मिलती है। जब वह टाइप टेस्ट की अग्नि परीक्षा को उत्तीर्ण कर लेता है। यह शर्त नियुक्ति के एक साल बाद ही लागू हो जाती है। साल की सर्विस होने के बाद लिपिक को टाइप टेस्ट उत्तीर्ण करना होता है। अगर टाइप टेस्ट उत्तीर्ण नहीं हो पाता तो उस लिपिक को वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिलता। पहले साल उसकी जो वेतन तय होता है। उसी के आधार पर उसको जब तक टाइप टेस्ट पास नहीं कर लेता। तब तक उसको उसी वेतन में काम चलाना पड़ता है। अगर उपरोक्त प्रस्तावित योजना में परीक्षा उत्तीर्ण के बाद पदोन्नति मिलने वाली योजना लागू होती है तो कर्मचारियों को पदोन्नति पाने के लिए फिर से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करनी पड़ सकती है।

सीएम ने करोड़ों की परियोजनाएं जनता को समर्पित कीं

■ करोड़ों रुपये की योजनाओं से लगेंगे विकास कार्यों को पंख : मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए हैं। विकास कार्यों की दृष्टि से लोहारू विधानसभा क्षेत्र के लिए 112 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया।

अभी तक के 9 साल के दौरान राज्य सरकार ने भिवानी जिले में विकासात्मक कार्यों के लिए 13,800 करोड़ रुपये मंजूर किये जिसमें से 10,400 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं और शेष परियोजनाएं पाइप लाइन में हैं। इतना ही नहीं, अकेले लोहारू विधानसभा क्षेत्र में 3927 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जिनमें से अभी 2421 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और 1500 करोड़ रुपये के कार्य पाइप लाइन में हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को सिंघानी में 279 लाख रुपये से बने राजकीय सीसे स्कूल लोहारू भवन का उद्घाटन किया।

गांव झांझडा.टोडा.श्योराण रेलवे अंडरपास लागत 763.81 लाख रुपये गांव गौठडा रेलवे अंडरपास की लागत 894.21 लाख रुपये, गांव सोहासड़ा अंडरपास लागत 891.25 लाख रुपये गांव बरालू का अंडरपास की लागत 792.25 रुपये लोहारू की नई सब्जी मंडी लागत 751.30 लाख रुपये, कुड़ल बास से सिरसली वाया श्याम कला लिंक रोड़ पर लागत 239.22 लाख रुपये तथा 200.34 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गांव कुड़ल से अल्लाउदीनपुर लिंक रोड़ का शिलान्यास किया। वहीं गांव ढ़ाणी लक्ष्मण से कुड़ल लिंक रोड पर लागत 237.55 लाख रुपये, लिलस से सिवानी लिंक पर लागत 340.13 लाख रुपये, गांव बड़वा से रूपाणा लिंक रोड़ पर लागत 154.27 लाख , गांव पाथरवाली से भानगढ़ वाया ढ़ाणी शंकर लिंक रोड़ पर लागत 271.84 लाख , पपोसा से सिवाना वाया भिवानी हांसी लिंक रोड़ पर लागत 239.66 लाख , गांव सुई से दांग खुर्द लिंक पर लागता 281.60 लाख , गांव बहल से भौजान अपटू राजस्थान बार्डर पर लागत 204.10 लाख , दमकौरा डिस्टीब्यूट्री का नवीनीकरण आरडी 0 से टेल तक की लागत 1239.18 लाख रुपये तथा 1475.01 लाख रूपए की लागत से तैयार होने वाली लाडावास डिस्टीब्यूट्री का नवीनीकरण का शिलान्यास किया।

भिवानी। करोड़ों रुपये की योजनाओं का शुभारंभ करते सीएम मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री ने शहीदों को किया नमन

अन्नदाता महासम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कार्यक्रम स्थल पर शहीद समारक पर पुष्प अर्पित कर अमर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान जांगड़ा समाज ने मुख्यमंत्री को किसानी का प्रतीक हल भेंट किया। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान रामकेस जीवन पुरिया व सुरेंद्र गिगनाऊ और कर्ण सिंह ने किसानों की खशुहाली पर शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुए, जिसे देखकर मुख्यमंत्री भी खुश नजर आए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अन्नदाता महासम्मेलन को कृषि मंत्री जेपी दलाल, विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर सिंह गंगवा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री और प्रभारी विप्लव देव, राज्यसभा सांसद रामकुमार जांगड़ा, राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी, सहकारिता मंत्री बनवारी लाल,भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मवीर सिंह, विधायक रामकुमार गौतम, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, विधायक घनश्याम सर्राफ, सोमवीर सांगवान, शमशेर सिंह खरकड़ा, पूर्व विधायक सुखविंदर मांढी, वरुण श्योराण सहित भजपा के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने जनसभा को संबोधित किया। इस इवसर पर बवानीखेड़ा विधायक बिसम्बर वाल्मीकि, डीसी नरेश नरवाल के अलावा अनेक अधिकारी व पदाधिकारी मौजूद थे।

साहित्य

मेरी आत्मा बड़ी सुलझी हुई बात कह देती है कभी-कभी। अच्छी आत्मा 'फ़ोल्डिंग' कुर्सी की तरह होनी चाहिए। ज़रूरत पड़ी तब फैलाकर उस पर बैठ गए; नहीं तो मोड़कर कोने में टिका दिया।

-हरिशंकर परसाई

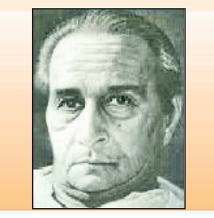

अभी जब वह अपने कमीज़ और दुपट्टे को समेत कर बैठी तो लगा कि किसी हंसनी ने घास के इस झील में डुबकी लगा दी हो! लम्बी पलकों की पंखुरियों को उठाना, मानो कली चटक गई हो।' वह नर्म दूब के पौधे को उखाड़ कर हथेलियों से रगड़ रही थी और उसका चेहरा लाल हो उठा था।

गोपा

कहानी | जयन्त

जाड़े के दिनों में जब दिन बड़े होने लगे थे, दोपहर की गुनगुनी धूप में शिरीष के पेड़ के नीचे नर्म दूब पर लेटना कितना अच्छा लगता था। युवक-युवतियाँ झुंडों में बैठ कर बातें करते, कुछ पत्रिकाओं के पन्ने पलटे जाते, कुछ अपने लिखे नोटस दुहराए जाते, कुछ सिगरेटों को फूँका जाता, पान की गिल्लौरियाँ चबाई जातीं, विभिन्न मुद्दों पर नरम-गरम बहस होती, हँसी-ठहाके गूँजते और इस बीच कुछ युवतियाँ निरूद्देश्य तिनकों और कंकड़ों को उछालतीं या फिर उन्हें चुहलवश एक-दूसरे पर फेंकती रहतीं। क्लास के लिए घंटी बजती तो कुछ

कैम्पस की गेट की तरफ चले जाते तो कुछ कक्षाओं की तरफ चले जाते। पिछली शताब्दी में कॉलेजों में कुछ ऐसी ही रौनक रहा करती थी। अब कॉलेजों की भीड़ टेक्निकल कॉलेजों की ओर चली गई है परन्तु वहाँ इस तरह का माहौल नहीं मिलता। सब कुछ यत्रवत सा हो गया है। सभी अपने भविष्य को ले कर चिंतित रहते हैं। पहले कुछ सैटलमेंन्ट हो जाए तब मौज-मस्ती!

ऐसी ही एक अलसायी ढलती दोपहर में गौतम अपनी किताब-कॉपी बगल में रखे अधलेटा सा कुछ पढ़ रहा था। वह एक पत्र था जो उसके पिता जी ने घर से भेजा था। पत्र में उसे आने को कहा गया था। उसके साथियों के झुंड कैंटीन की तरफ चले गए थे। कुछ लड़कियाँ थोड़ी दूर पर बैठीं हुई थीं। गौतम पत्र दो बार पढ़ चुका था और मन ही मन कुछ हिसाब लगा रहा था। सहसा किसी ने पत्र को उसके हाथों से झटक लिया - यह सलीम था।

'अरे ! सलीम क्या कर रहे हो ?'

'क्या कर रहे हो ऽ ऽ ऽ. . .!' सलीम फटे ढोल की तरह बज उठा, उसके होठों पर हँसी थी, प्रिय गौतम! ऽ ऽ . . . सेंडर्स एड्रेस नदारथ ऽ ऽ. .' गौतम ने पत्र छीनने का असफल प्रयास किया। -'. . . और भेजने वाली का नाम भी गायब, . . .क्यों मियाँ!' उफ कितनी तेज आवाज़ थी उसकी तभी घंटी बजी।

'नहीं सलीम, फादर का लेटर है।'

'फादर का लेटर है !". हमसे छिपाते हो. . . .?'

'क्या है'

कई स्वर एक साथ उभरे। लड़कियों का झुंड करीब आ चुका था।

'क्या है. .?' गौतम लगातार पत्र लेने का प्रयास कर रहा था।

'क्या है क्या! . . .गुरु की मंगेतर का लेटर है!'- कहते हुए उसने पत्र उसे लौटा दिया। सलीम ने फिर से कहने का प्रयास किया कि पत्र उसके पिता का है परन्तु उसकी आवाज़ दब कर रह गई।

'हो . .ऽ .ऽ. .!'- की एक-दो आवाज़ आई और फिर किसी ने जोरदार हल्ला मचाया -

'हुर्रे . . . तो फिर पार्टी पक्की।'

'नहीं-नहीं पिता जी का पत्र है। ऐसी कोई बात ही नहीं है।'- गौतम ने कान बंद करते हुए जोर से चिल्ला कर कहा।

'मिठाई खिलाने से डरते हैं ?'

अल्का ने कहा और फिर से शोर उठा तभी मिस्टर कैम्ब्रिज, उर्फ मिस्टर पी. सी. बोस उनके बीच आ पहुँचे। सभी लेक्चर थिएटर में चले गए। कक्षा चल रही थी और गौतम उधेड़-बुन में लगा था कि पैसे का कैसे प्रबंध करे और कैसे घर जाए? मिस्टर कैम्ब्रिज तेज़ स्वभाव वाली नायिका का कैरेक्टर समझा रहे थे। महीने में दो दिन और बचे हैं - गौतम सोच रहा था। उधर मिस्टर बोस समझा रहे थे कि किस प्रकार नायिका ने नायक को उल्लू बनाया और जब नायक ने उसके गिफ़्ट पार्सल को खोला तो उसमें उसे नायिका रोज़लिन का पुराना सैंडिल मिला।

'हे. . .यू, व्हाट आर यू थिंकिंग?' मिस्टर बोस ने गौतम की ओर संकेत किया तभी घंटी बज गई। किसी ने पीछे से कहा - 'वे गोपा के विषय में सोच रहे हैं।. . .कि अब क्या होगा?' मिस्टर बोस ने उठते हुए कहा - 'आई सी बट शी इज़ लाइक रोज़लिन।' गौतम ने दो बेंच आगे बैठी गोपा को देखा, उसका चेहरा सिंदूरी हो उठा था, सभी हँस रहे थे। उसने ज़ोर से कहा 'मेरे पास पुराना सैंडिल है।. . .पार्सल कर दूँगी।'- उसने गुस्से में भनभनाते हुए कहा। मिस्टर बोस तबतक आगे जा चुके थे शायद जानबूझ कर अनजान बनते हुए ! थोड़ी देर में कक्षा खाली हो गई। गौतम धीमे कदमों से बाहर निकल आया। उससे आगे दो-चार लडकियाँ आपस में बातें करती हुई चल रही थीं। गोपा ठीक उसके पीछे थी। उसने मद्धिम स्वर में पुकारा -

'गौतम जी . . . ।'

'क्या बात है . . .गोपा जी?'

'आप से कुछ बात करनी थी . . .।'

'क्या . .बोलो?'

'अभी नहीं, . . .जब आसपास कोई नहीं रहेगा तब।'

'लेकिन कब?'

'मिलेंगे, कहेंगे . . .आप फ्री मिलें तब तो? . . . हर समय तो . .।'

बात अधूरी छोड़ कर वह दूसरी तरफ़ चली गई। क्या कहना चाहती है? वह भी मैं जब फ्री मिलूँ! ऐसे तो कभी बात नहीं करती वह। आज तक कोई विशेष बात भी नहीं . . .किया उसने? क्या कहना कहती है? वह उसकी बात मन ही मन दोहराता रहा। प्रायः लड़के-लडकियाँ उन्हें छेड़ा करते थे 'गोपा और गौतम'- 'गोपा और गौतम', वह आगे बढ़ गया।

गौतम को घर से लौट कर आए तीन-चार दिन गुजर चुके थे। जाड़े कि एक वैसी ही दुपहर में जब वृक्षों कि परछाईयाँ पूरब की तरफ आड़े-तिरछे लम्बी हो आईं थीं, घने लता कुंज के पास गौतम घुटने पर दोनों हाथ बांधे बैठा था। हिन्दी की कक्षा थी प्रोफेसर राम साहेब की और वे यशोधरा पढ़ाते थे। . . . कौन जाएगा, गोपा-गौतम वाला प्रसंग चल रहा है, अगले चैप्टर के आने पर ही क्लास करूँगा। जाने का अर्थ है वह दिमाग चाटेगा और सभी मुझे और गोपा को चिढ़ाएँगे। दूर से तरणताल का जल नीला-नीला दिखाई पड़ रहा था और ठंडी हवा उस जल के स्पर्श से और भी सिहर गई थी। . . .तभी . .सहसा ही गोपा आती दिखाई पड़ी। वह नजदीक आई, गौतम कुछ पूछता उसके पहले ही घास पर बैठ गई। गौतम ने उसे गहरी नज़रों से देखा और मन ही मन कहा, 'कितनी अच्छी लगती है गोपा ! . . . अभी जब वह अपने कमीज़ और दुपट्टे को समेत कर बैठी तो लगा कि किसी हंसनी ने घास के इस झील में डुबकी लगा दी हो! लम्बी पलकों की पंखुरियों को उठाना, मानो कली चटक गई हो।' वह नर्म दूब के पौधे को उखाड़ कर हथेलियों से रगड़ रही थी और उसका चेहरा कुछ कहने के लिए लाल हो उठा था।

गौतम को याद आया एक बार उसे खिलखिला कर हँसते देखा था, जब वे कैंटीन में बैठे थे और सलीम ने जल्दीबाजी में पानी का पूरा ग्लास अपने पर उढ़ेल लिया था।. . .वह सामने कि मेज़ पर बैठी हुई थी और यह देख कर ज़ोरों से हँस पड़ी थी, एकदम उन्मुक्त हँसी। गौतम को ऐसा लगा था कि किसी ने मखमल की मंजूषा को खोल कर मोतियों को बिखेर दिया हो।. . . और उस क्षण को वह कैसे भूल सकता है जब कक्षा में जाते समय गौतम की बाँह में कील चुभ गई थी और गोपा ने अपनी हथेलियों से कस कर दबा कर उसे बहते खून को रोकने का प्रयास किया था। दोनों को उस एक अव्यक्त पल ने ही तो तब से एक-दूसरे के कितना पास ला दिया था, इसका तो उन्हें आभास ही नहीं था। तभी से लड़के-लडकियाँ उन दोनों को चिढ़ाने लगे थे।

'सुनिए, . . .आपकी शादी तय हो गई है क्या . . .?'

'नहीं तो, . . .किसने कहा!'

> *दोपहर की गुनगुनी धूप में शिरीष के पेड़ के नीचे नर्म दूब पर लेटना कितना अच्छा लगता था। युवक-युवतियाँ झुंडों में बैठ कर बातें करते, कुछ पत्रिकाओं के पन्ने पलटे जाते, कुछ अपने लिखे नोटस दुहराए जाते।*

'आप झूठ बोल रहे हैं न? . . .उस दिन सलीम जी कह रहे थे इसीलिए तो . . .आप घर गए थे।' उसका गला रुंध गया।

'मैं नही जानती थी . . .आप मुझे' उसकी आँखों से आंसू टपटप गिरने लगे।

'यह तुम क्या कह रही हो गोपा !'

'जो अबतक नहीं कह . . . पाई।. . .और क्या कहूँगी।'

'गोपा . . ऽ ऽ. . .! तुम्हारी सौगन्ध . . .सलीम मज़ाक कर रहा था।" गोपा ने उसे गहरी नज़रों से देखा। उसके गालों पर आंसू सूख चुके थे। -". . . पर तुमने पहले कभी!'

'आपने मेरी. . .झूठी कसम खाई . . .?'

'नहीं गोपा . . मैंने झूठ कहा हो तो . . . .मैं मर जाऊँ।' 'बस . .चुप रहिए।'- उसने क्षण भर के लिए अपने कानों को हथेलियों से दबा लिया, लेकिन गोपा तुमने . . .कभी कुछ नहीं बताया!" गौतम ने उठ कर बैठते हुए अपना हाथ उसकी ओर बढ़ाया और गोपा ने उसे अपने हाथों में ले कर झुलाते हुए कहा - 'कुछ नहीं बोलूँगी. . . .बस जाइए, आपसे बात ही नहीं करूँगी . . . ।'

'गोपा, मेरी बात तो सुनो . ऽ ऽ. . .'

वह उठ खड़ी हुई, आँखों में आँखों को डाल कर स्मित हास्य से देखा और बोली "बोलना और सुनना . . . इतना ज़रूरी है क्या ?'

गौतम ने चाहा कि उसे रोक ले, पुकार ले परन्तु ऐसा नहीं कर सका। ईसा की छठी शताब्दी पूर्व गौतम ने जीवन-मरण की पहेली सुलझाई थी परन्तु गोपा को नहीं समझ सके थे, आज भी गौतम उसे नहीं समझ पाया है।

(लेखिक वरिष्ठ साहित्यकार हैं और लगातार लेखन कर रहे हैं।)

गीत | राजपाल सिंह गुलिया

धूल - धुएँ को फाँक - फाँक कर,
हुई हवा जहरीली .

फिरे बाँटती सबको निशिदिन,
जहर भरी सौगातें .
सीख चिमनियों से ली इसने,
कितनी कलुषित बातें .
ओढ़ धुआँसा बरगद मलता,
अपनी आँखें गीली .

धुआँ - धुआँ पर्यावरण जहाँ,
ढोता रोज उदासी .
प्रयासों का आश्वासन वहीं,
लेता बैठ उबासी .
हालत पतली होगी गर जो,
रही व्यवस्था ढीली .

साँसों पर संकट गहराया,
है भावों में खिन्नता .
धुँधलाए परिवेश की कहो,
पौंछे कौन मलिनता .
चौपालों से संसद तक हैं,
बातें खाली -पीली .

कविता | मोनिका राज

दुल्हन बनती हुई मैं

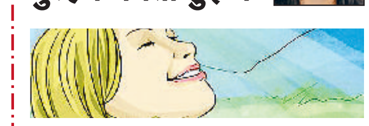

तुम्हारा बेहद सफ़्फ़ाक-सा चेहरा और
तुम्हें अपने पोरों से स्पर्श करती हुई मैं।

तुम्हारा प्रेमबद्ध आलिंगन और
उसमें प्रेमातुर समाई हुई मैं।

तुम्हारे सपनों से भरे नयन और
उनमें स्वच्छंद विचरती हुई मैं।

तेरा अधूरा-सा एक ख़्वाब और
उसे हकीक़त करती हुई मैं।

एक मंजिल तक पहुंचने का होड़ और
उन राहों में तेरे साथ चलती हुई मैं।

एक चाहत बस तेरा हो जाने की और
धीमे-धीमे सिर्फ तुम्हारी होती हुई मैं।

एक अनंत सफ़र तक चलने की ज़िद और
उसमें तेरा हमसफ़र बनती हुई मैं।

थोड़े-थोड़े अधूरे-से तुम और
तुम्हें हरपल पूरा करती हुई मैं।

एक ख्वाहिश तुम्हें जीवनसाथी बनाने की और
उसमें बस तुम्हारी दुल्हन बनती हुई मैं।

लघुकथा | शशि किरन

धन्यवाद सेंटा

धवलगिरि के पहाड़ो पर बर्फ गिरने लगी। इसके बावजूद बाज़ारों में रौनक थी। दो दिन बाद क्रिसमस जो आने वाला था। पहाड़ी पर बने एक मात्र गिरिजाघर में प्रभु यीशु के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं, गिरिजाघर को लड़ियों से सजाया जा रहा था। क्रिसमस केरॉल की मधुर धुन गूंज रही थी। गिरिजाघर के एक ओर जहां प्रार्थना की कुर्सियाँ लगी थीं वहीं गोशाला का दृश्य बनाया गया, और प्रभु यीशु के बाल रूप को सजाया गया। बाज़ार में सेंटा की ड्रेस पहने लोग छोटे बच्चों को टॉफी और चॉकलेट बाँट रहे थे चारों ओर रौनक ही रौनक थी। जॉन को भी हर साल सेंटा से एक उपहार मिलता, उसका बहुत मन करता कि वह सेंटा को देख सके पर सेंटा हमेशा रात को उसके सोने के बाद आते। अगले दिन उसे उपहार के साथ एक कहानी सुनने को मिलती सेंटा अपनी स्लेज में बैठकर आते हैं उपहार रखकर चले जाते हैं, आठ वर्ष का छोटा सा जॉन यह सोचता ही रह जाता कि हमेशा उसके मनचाहे उपहार सेंटा को कैसे पता चलते हैं ? तभी माँ ने खाने के लिए आवाज़ दी ! जॉन खाना तैयार है आता हूँ ! कहकर जॉन कमरे से बाहर आ गया। जॉन खाना खाने बैठ गया और माँ से बोला, 'माँ क्या पापा काम से नहीं लौटे ? उन्हें आज कुछ जरूरी काम था माँ ने जवाब दिया तो आप मेरे साथ खाना खा लो नहीं बेटा तुम खा लो। तुम्हारे पापा आएंगे तो मैं उनके साथ खा लूँगी,, ठीक है माँ! कहकर जॉन अपना खाना खाने लगा,, हमेशा ऐसा ही होता रहता। जॉन के पापा अक्सर देर से आते। माँ उनको खाना खिलाने के बाद खाना खातीं। जॉन को अकेले खाना पड़ता। खाना खाने के बाद जॉन सोने चला गया। माँ जॉन के पापा का इंतज़ार करती रहीं। आधी रात के लगभग जॉन के पापा घर आये। मां ने खाना गर्म किया और टेबल पर लगा दिया। जॉन के पापा ने रंग बिरंगी पन्नी चढा एक छोटा सा पैकेट माँ की ओर बढ़ाया। माँ मुस्कुराने लगी और बोलीं ओह्ह तो आप इसके लिए ओवरटाइम कर रहे हो। कल रात को जॉन के कमरे में रख देना। अभी इसे छुपा देती हूँ। हर साल क्रिसमस पर जॉन के माता-पिता उसके कमरे में उसका मनचाहा उपहार रख देते, उनके लिए जॉन के मनचाहे उपहार लेना सबसे बड़ा सपना होता। वे नहीं चाहते थे कि जॉन खुद को हीन महसूस करे। अगले दिन क्रिसमस से पहली रात लगभग दो बजे जॉन के सो जाने के बाद ,जॉन के पिता सेंटा बन उसका उपहार रखने आये। उन्होंने पढ़ने की मेज़ पर उपहार रख दिया पर जैसे ही मुड़े उनका पैर किसी चीज से टकराया। उन्होंने झुक कर देखा तो एक पैकेट था जिस पर कार्ड लगा हुआ था। जॉन के पिता कार्ड पर लिखा संदेश पढ़ने लगे। प्रिय सेंटा, आप हर साल क्रिसमस पर मुझे उपहार देते हो इस साल मैं आपके लिए उपहार लाया हूँ..! जॉन। जॉन के पिता ने पैकेट खोला उसमें एक सुंदर जैकेट था , कोने में जॉन की टूटी हुई गुल्लक पड़ी थी। जॉन के पिता की आंखें नम हो गईं, जॉन के पिता का जैकेट जगह जगह से कट गया था पर वे जैकेट नहीं ले रहे थे क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं जॉन के उपहार के लिए रुपये कम न पड़ जाएँ उन्होंने जॉन को चूमा और सोने चले गए । अगली सुबह जॉन ने आँखे खोली तो पिता को खड़ा पाया। जैसे कह रहे हो -"धन्यवाद सैंटा" !

डा. विश्वबंधु का कहना है कि हिंदी का कोई भी शब्द अपना नहीं है, जिसमें विभिन्न राज्यों की बोली के शब्दों का मिश्रण है। वे पिछले दस साल से हिंदी के शब्द निर्माण विज्ञान पर कार्य कर रहे हैं और अभी तक पहला खंड पूरा हुआ है। इंटरनेट और मोबाइल के युग में युवा पीढ़ी के दिमाग व चरित्र भ्रष्ट हो रहे हैं और समाज भी पथभ्रष्ट हो रहा है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

इंटरनेट और मोबाइल के युग में भटकी युवा पीढ़ी

साहित्यकारों ने हर विधा में साहित्य सृजन करते हुए सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर समाज को सकारात्मक विचारधारा के लिए नई ऊर्जा देने में योगदान दिया है। वहीं अपनी संस्कृति तथा परंपराओं के संवर्धन के लिए भी साहित्य साधना के माध्यम से नई पीढ़ियों की राह प्रशस्त करने का प्रयास में जुटे साहित्यकारों में डा. विश्वबंधु शर्मा एक ऐसे मूर्घन्य विद्वानों में शुमार हैं, जिन्होंने हरियाणा की लोक कलाओं और संस्कृति के स्वरूप व उसे पहचान दिलाने के लिए हरियाणवी, हिंदी और संस्कृत भाषा में साहित्य सृजन कर रहे हैं। उन्होंने हरियाणा का व्याकरण लिखकर हरियाणवी भाषा के साहित्यकार के रूप में तो लोकप्रियता हासिल की है, वहीं वे पिछले दस साल से हिन्दी भाषा के व्याकरण करके 'शब्द निर्माण विज्ञान' पर गहनता से कार्य करने में जुटे हुए हैं। उनकी यह साहित्य साधना हिंदी जगत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। गद्य एवं पद्य में लेखन करने वाले डॉ. विश्वबंधु शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर के बारे में हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनकी साधना साहित्य जगत को नया आयाम देने में सक्षम हो सकती है। विश्वबंधु शर्मा का जन्म 02 सितम्बर, 1953 को भिवानी जिले के पुर गांव में संस्कृत के प्रकांड पंडित ब्रजलाल शास्त्री और श्रीमती अंती देवी के घर में हुआ। उनके पिता ब्रजलाल उस समय के उत्तर भारत के एक मात्र अग्निहोत्री थे। मसलन उनके परिवार में दियासलाई से आग जलाना प्रतिबंधित था और परिवार में पांच कुंड से अग्नि लेकर ही चूल्हे के अलावा अन्य आग जलाई जाती थी। परिवार में साहित्य और संस्कृति के माहौल में विश्वबंधु को उनके पिता ने संस्कृत श्लोक कंठस्थ करा दिये थे। डॉ. विश्वबंधु शर्मा ने बताया कि विरासत में मिली साहित्य-संस्कृति की वजह से बचपन से ही उन्हें साहित्य, कला एवं परंपरागत संस्कृति में रुचि हो गई। छात्र जीवन में स्कूल में साप्ताहिक बाल सभाओं में वे कविताएं सुनाने लगे थे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा भाषण प्रतियोगिताओं में जहां भी वह हिस्सा लेते थे, तो प्रथम पुरस्कार उन्हीं को मिलता था। जब वह कक्षा सात में पढ़ रहे थे, तो साल 1967 में उनके पिता का बीमारी के चलते निधन हो गया। इस वजह से स्कूल जाना कम हो गया और घर की जिम्मेदारियां बढ़ गई। किसी तरह से द्वितीय श्रेणी में मैट्रिक पास कर ली। भिवानी में उनके विज्ञान के शिक्षक रामेश्वरदास पुरी उनसे प्रेम करते थे, जो उसे अपनी ससुराल साहनेवाल (पंजाब) ले गए, जहां उनकी ससुराल में लाला छज्जूमल को काम करने वाले लड़के की जरूरत थी। दो साल तक उनके यहां काम किया और वहीं से लाला की मेहरबानी ने उन्होंने साल 1970 में प्रभाकर पास किया। लाला छज्जूमल ने उन्हें गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल प्रतापपुरा, जालंधर में हिंदी अध्यापक लगवा दिया। उसके बाद वह हिसार आ गये, जहां से ओटी की परीक्षा पास की। बकौल डा. विश्वबंधु शर्मा उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए अपने छोटे भाईयों को भी पढ़ाया, जिनमें से एक फौज में गया और कारगिल युद्ध में शहीद हुआ और दो भाई शास्त्री हो गये। उन्होंने खुद दो विषयों में एमए किया। राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर से उन्होंने साठोत्तरी हिंदी में शोधकार्य कर पीएचडी की, जबकि आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन कर डी.लिट की उपाधि हासिल की है। सितंबर 1981 में डा. शर्मा वैश्य कालेज रोहतक में हिंदी विभाग में लेक्चरार नियुक्त हुए और 20 साल तक विभागध्यक्ष रहने के बाद सितंबर 2013 में एसोसिएट प्रोफेसर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. विश्वबंधु शर्मा की प्रकाशित 30 पुस्तकों में साठोत्तर हिन्दी-महाकाव्यों में पात्र-कल्पना, संक्षिप्त भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा भास्कर, चेत मछंदर गोरख आया(हरियाणवी उपन्यास), जामदग्नेय (उपन्यास), आपणा मरण जगत की हाँसी व कोरी हाण्डी (हरियाणवी झलकी संग्रह), भगत सुदामा (हरियाणवी खण्डकाव्य), दुर्गा चरित (हरियावणी महाकाव्य), चासणी (हरियाणवी कविता-संग्रह), हरियाणा के लोकगीत (संपादित), भारत का सूरज : सूरजमल (हरियाणवी ऐतिहासिक उपन्यास), लाला छज्जूमल (संस्मरण संग्रह), दीवानों का मसीहा

डॉ. विश्वबंधु शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी से झलकी संग्रह 'अपणा मरण जगत की हांसी' और साठोत्तरी हिंदी कविता पर प्रथम पुरस्कार हासिल करने वाले डॉ. विश्वबंधु शर्मा को अकादमी द्वारा जनकवि मेहर सिंह सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा उन्हें उदयभानु हंस वरिष्ठ साहित्यकार सम्मान, रघुवीर सिंह मथाना पुरस्कार, सारस्वत सम्मान, शाश्वामृत सम्मान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी समृति सम्मान, कलम नायक सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, विद्यासागर सम्मान, साहित्य कौस्तुभम अलंकरण सम्मान, कबीर सम्मान के साथ ही अध्यापन

व्यक्तिगत परिचय

नामः नामः डॉ. विश्वबंधु शर्मा
जन्मतिथिः 02 सितम्बर, 1953
जन्म स्थानः ग्राम-पुर, तहसील-बवानी खेड़ा, जिला-भिवानी (हरियाणा)
शिक्षाः एमए(इतिहास), एमए (हिन्दी), पीएचडी, डी.लिट्
सम्प्रतिः सेवानिवृत्तअध्यक्ष, हिन्दी विभाग, वैश्य कॉलेज, रोहतक (हरियाणा), पूर्व प्रो. बीएमयू, स्वतंत्र लेखन

इंद्रधनुषी कविताएंः तुम बिन सूना मधुमास

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

कविता मन की अभिव्यक्ति होती है। कवि जैसी भी परिस्थिति को देखता है वैसी ही कविता का सृजन करता है। कवि अपनी पुस्तक में सभी तरह की रचनाओं का संग्रह करता है। इस दृष्टि से सुमन लता का काव्य संग्रह तुम बिन सूना मधुमास अपने आप में विविधता लिये हुए है। साधारणतयाः एक कवि समाज की विभिन्न समस्याओं, विसंगतियों पर कलम चलाता है, लेकिन सुमन लता ने इन सबके साथ साथ सभी विधाओं में अपनी लेखनी चलाई है। यह वाकई इस काव्य संग्रह को इंद्रधनुषी बनाता है।

पुस्तक : तुम बिन सुना मधुमास
लेखक : सुमन लता
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : सुकीर्ति प्रकाशन

कवयित्री ने अपनी पुस्तक में कविताओं के साथ-साथ हरिगीतिका छंद, सेवैया, मुक्तक आदि सभी को स्थान दिया है। सुमन ने अपनी कविताओं में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर आए पतन के अलावा राष्ट्र प्रेम, प्रकृति के प्रति प्रेम, समर्पण समाज में आए छलकपट, जल संरक्षण कोरोना काल और नई पीढ़ी के प्रति चिंता जताते हुए मोबाइल के दुष्परिणाम सहित अन्य कविताओं को संग्रह करके समाज को जागरूक करने का प्रयास किया है। पुस्तक की शुरूआत ईश्वर की वंदना के साथ करके आस्तिक रहने का संदेश दिया है जो पाठकों में सकारात्मकता का संचार करता है।

पुस्तक में कुल मिलाकर 74 रचनाएं हैं। इनमें दो कविताएं पानी बचाने का संदेश देती हैं। होली जैसे उत्सव पर जिस तरह से पानी की बर्बादी की जाती है उसे पानी न बहाना और समाज में लगातार हो रहे पानी के अंधाधुंध प्रयोग को लेकर 'जल बचाओ' में चेताया गया है। 'धार्मिक हिंसा' में किस तरह आमजन राजनेताओं के हाथों की कठपुतली बनकर अपने ही भाइयों के सामने हथियार उठा लेता है उसे उजागर किया है। 'सरपंची चुनाव' में भी ग्रामीण स्तर पर नेताओं की हकीकत से रूबरू करवाने का प्रयास किया है। बेटियां समाज में सदियों से हर स्तर पर भेदभाव झेलती आ रही हैं, इसे कवयित्री ने 'बेटियां' कविता में दिखाया है।

सुमन लता की कविताओं की भाषा शैली सहज एवं सरल है। कई कविताओं में हरियाणवी टच भी है। पुस्तक में प्रूफ रीडिंग संबंधी खामियां कई जगह नजर आती हैं ये वाकई खलता है। कुल मिलाकर रुचिकर बन पड़ा है।

जीवन में प्रेरणा का दीपक जलाती 'ऊर्जस्वी'

पुस्तक समीक्षा | डॉ. गोरख प्रसाद मस्ताना

जिस क्षण व्यक्ति प्रज्ञा पथी होने लगता है या ज्ञान की गंगा में डुबकियां लेने लगता है, उसके अंतःस्थल में उपस्थित भाव-पक्ष निरंतर जागृत होने लगता है और उसकी दृष्टि एक ओर वैज्ञानिक चिंतन तो दूसरी ओर आध्यात्मिक ऊर्जा से उर्जित होने लगती है। इसी मनःस्थिति में जस्वी" जैसी कृति का अवतरण होता है। 'ऊर्जस्वी' उसी क्षमता का एक उपहार है जिसमें 32 आलेख उपस्थित हैं। हर आलेख प्रेरणास्पद और ज्ञान का ऊर्जा स्रोत है, जिनमें लेखक की प्रतिभा, विज्ञता, गहन अध्ययन और चिंतन का समावेश है। तुलसी के पत्तों की भांति पवित्र भावाव्यक्ति साथ ही वैज्ञानिक चिंतन से समृद्ध यह कृति नृप जी का एक विशिष्ट प्रयास ही तो है। असफलता से सीखना सफ़लता ही तो है।, अंधेरा, अंधेरे से दूर नहीं होता, बदले की भावना का परित्याग, स्वार्थसाधन हेतु न बने अनैतिक, अहंकारी नहीं गुणवान बने, समय मूल्यवान है, सत्य की महत्ता, नैतिक मूल्यों का महत्व, सफल होने के लिए अनुशासन आदि अनेकानेक आलेख मात्र शब्दों के संयोजन नहीं हैं, जीवन दर्शन हैं, जिनका अध्ययन हमारे पथ को आलोकित करने वाला साधन है, पाथेय है। लेखक की दृष्टि में उसके आलेख केवल कल्पना विलास नहीं बल्कि जीवन को मथ कर निकाला हुआ सार है। किसी रचना का चिंतन जितना ही सरगर्भित होता है उसकी दृष्टि उतनी ही विशाल होती जाती है। किसी भी रचनाकार की कृति में उसके भीतर का व्यक्ति अभिव्यक्त होता है और वहां से जो साहित्य सृजन होता है वहीं उसका संघर्ष और कर्मशीलता प्रकट होती है, जो नियति का बंद द्वार खोलने में सक्षम होती है। नृप के अधिकारपूर्ण भाषा में यथावांछित विविधता है, जिसमें जीवन का सत्य भी है और भविष्य की योजना भी। नृपेंद्र अभिषेक नृप की यह कृति उसमें सन्निहित आलेख जहां जीवन की सफलता के लिए आवश्यक हैं, आध्यात्मिक जीवन की प्रेरणा भी हैं। मैं 'ऊर्जस्वी' के रचनाकार नृपेंद्र अभिषेक नृप की इस कृति की सफलता के लिए सर्वदा आग्रही हूँ। पाठकों के बीच यह कृति बहुत लोकप्रिय होगी। वे ऐसी और कृतियों से साहित्य को समृद्ध करेंगे।

पुस्तक : ऊर्जस्वी
लेखक : नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मूल्य : 199 रुपये
प्रकाशक : स्वेतवर्णा

खबर संक्षेप

राह ग्रुप फाउंडेशन करेगा होनहारों को सम्मानित

बवानीखेड़ा। दसवीं व बारहवीं कक्षा में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले व विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले 2100 होनहार विद्यार्थियों को राह ग्रुप फाउंडेशन की तरफ से 21 जनवरी 2024 से अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया जाएगा।

प्रदेश में चल पड़ी बदलाव की लहरः डॉ. तंवर

चरखी दादरी। सिरसा से शुरू हुई आप की बदलाव यात्रा डॉ. अशोक तंवर के नेतृत्व में दादरी पहुंची। जिला अध्यक्ष धनराज कुंडू के नेतृत्व में यात्रा का स्वागत किया गया। प्रजापति चौक पर जनसभा को संबोधित करते हुए डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि प्रदेश में अब बदलाव की लहर चल चुकी है।

बेटे के जन्मदिन पर हर्ष फायरिंग, केस दर्ज

बाढ़ड़ा। बाढ़ड़ा उपमंडल के गांव हड़ौदी निवासी व्यक्ति को बेटे के जन्मदिन पर हर्ष फायरिंग करना महंगा पड़ गया। हर्ष फायरिंग का ये वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस ने लड़के के पिता व उसके साथ फायरिंग करने वाले युवक सहित तीन लोगों के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित दूसरी संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

श्रीराम वेटरन संगठन के जिला महासचिव बने

भिवानी। भारत नगर में रविवार को वेटरन संगठन की बैठक संगठन के जिलाध्यक्ष सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह ग्रेवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान संगठन के जिला महासचिव के पद के लिए चुनाव किया, जिसमे सर्वसम्मति से नायक श्रीराम जांगड़ा को जिला महासचिव चुना गया।

श्री लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में गीता महोत्सव

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के श्री लाल बहादुर शास्त्री वमावि में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान स्कूली बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आए। गीता जयंती महोत्सव में निबंध लेखन, गीता श्लोकाचारण, भाषण, संवाद, प्रश्नोत्तरी और पेंटिंग प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहीं।

स्लोग्न में शिखा एवं पोस्टर मेकिंग में सिमरन प्रथम

भिवानी। राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के तीसरे दिन की गतिविधियों का आगाज रविवार को पीटी एवं अन्य शारीरिक गतिविधियों से किया गया। इस दौरान स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई गई। स्लोगन प्रतियोगिता में क्रमशः शिखा प्रथम, पूजा द्वितीय और रितु तृतीय तथा पोस्टर मेकिंग में क्रमशः सिमरन शर्मा प्रथम, कशिश द्वितीय और तमन्ना तृतीय स्थान पर रही।

जी लिट्रा वैली में गीता महोत्सव का प्रसारण

भिवानी। हांसी रोड स्थित ज़ी लिट्रा वैली स्कूल में रविवार को सरकार के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का कुरुक्षेत्र से सीधा प्रसारण किया गया । मार्गशीर्ष माह की मोक्षदा एकादशी पर गीता जयंती मनाई जाती है । इस वर्ष कुरुक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर के तट पर 7 दिसंबर से 24 दिसंबर तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आज सीधा प्रसारण कर विद्यार्थियों को उसमें सम्मिलित किया गया।

गीता को स्कूली पाठ्यक्रम में जोड़ना सराहनीय

भिवानी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद स्कूल एवं कॉलेज में छात्रहित व शिक्षा क्षेत्र में कार्य करती हैं। श्रीमद्भागवत गीता को माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में जोड़ना सराहनीय कदम है। अभाविप के प्रदेशमंत्री राहुल वर्मा ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की वर्तमान भविष्य की प्रकृति का निर्धारण करती है। शिक्षा के माध्यम से ही राष्ट्र की भावी पीढ़ी को संपूर्ण रूप से समृद्धशाली बना सकते है। उन्होंने कहा कि पवित्र गीता संपूर्ण विश्व के लिए वरदान है।

किसानों के समक्ष आ रही समस्याओं के समाधान की मांग

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कृषि विभाग के एसीएस से मिला भारतीय किसान संघ का प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

किसानों के समक्ष आ रही समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ हरियाणा का प्रतिनिधिमंडल हरियाणा सरकार के कृषि विभाग के एसीएस सुधीर राजपाल से चंडीगढ़ में मिला। इस दौरान प्रदेश भर के प्रत्येक जिला के किसानों के समक्ष आ रही समस्याओं पर चिंतन किया गया। यह जानकारी भारतीय किसान संघ के जिला मंत्री जयप्रकाश बराला ने भिवानी में दी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में भारतीय किसान संघ के प्रदेश मंत्री एवं बिजली आयाम प्रमुख महिपाल बड्दु ने भिवानी, हिसार, दादरी, फतेहबाद, महेंद्रगढ़ जिलों की किसानों की समस्यसाओं को प्रमुखता से उठाया, जिसमें भिवानी जिला के गांव कायला, बडाला, सांगा, पुर्णपुरा, ढाणा नरसाण आदि गांवों में पिछले 5.6 साल पहले एक पुरानी नहर का पुनः निर्माण कार्य हुआ था, मगर किसानों के खेतों में नालियां नहीं बनाई गई। जिससे हजारों किलों में पानी नहीं लग रहा जिससे किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में वो नालिया बनाई जाए, ताकि किसान खेतीबाड़ी कर सके।

किसानों पर जबरदस्ती थौंपी जा रही है डीएपी यूरिया व अन्य दवाइयां

बीमा क्लेम नहीं दिया

तोशाम खंड के गांव मिरान में 2020 मे किसानों का सिढ़ाण, भेरा, झुल्ली, मिराण सरल आदि गांवों का बैंक मैनेजर ने खातों से किसान के पैसे काट लिए, लेकिन बीमा क्लेम नहीं दिया गया, वो दिलाया जाए। जबकि अन्य किसानों को अन्य बैंकों से हुए बीमे से बर्बाद फसलों का बीमा क्लेम मिल गया। अंडर ग्राउंड पानी की खेतों में सिंचाई के लिए पीवीसी की सब्सिडी सभी क्षेत्रों में दिलाई जाए। संघ के प्रदेश मंत्री महिपाल बडदु ने हाल में बिजली महंगी और अनाब.शनाब चार्ज सिक्योरिटी से किसान.मजदूर की मार पर रोक लगाने का सरकार से आग्रह किया कि डीएपी और यूरिया के साथ अन्य दवाइयां किसानों पर जबरजस्ती ना थौंपी जाए।

भिवानी। किसानों की मांग एसीएस के समक्ष रखता प्रतिनिधि मंडल।

अधिकारी कार्रवाई करें

किसानों की समस्याएं सुनने के बाद एसीएस ने सभी अधिकारियों से सख्त आदेश दिए कि किसानों को जबरदस्ती डीएपी थौंपने वाले दुकानदारो के खिलाफ कार्रवाई करे। इसके उपरांत बडदु ने कहा कि किसानों के खेतों में की अनुमति बगैर ही बिजली के टावर व गैस की पाइप लाईन लग रही है। भारतीय किसान संघ मांग करता है कि बिजली के टावर व गैस की पाईप लाईन की ऐवज में किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर संघ के संगठन मंत्री सुंदर लाल ने कहा कि गुरूग्राम सहित प्रदेश के अन्य जिलों में कई खेतों में अभी भी पानी भरा है, वो निकवाया जाए।

प्रदेश सरकार प्रोपर्टी व फैमिली आईडी के नाम पर लोगों कर रही परेशान

प्रदेश में आप की लहर, यात्रा को जनता का मिला समर्थन : डॉ. तंवर

सिरसा से शुरू हुई आप की बदलाव यात्रा दादरी पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶। चरखी दादरी

सिरसा से शुरू हुई आप की बदलाव यात्रा डॉ. अशोक तंवर के नेतृत्व में दादरी पहुंची। जिला अध्यक्ष धनराज कुंडू के नेतृत्व में यात्रा का स्वागत किया गया। प्रजापति चौक पर जनसभा को संबोधित करते हुए डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि हरियाणा में अब बदलाव की लहर चल चुकी है और प्रदेश की जनता ने अब बदलाव का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने सभी पार्टियों का राज देख लिया है, न तो स्कूल अच्छे हुए, न अस्पताल, सरकारी स्कूलों का स्तर गिरता जा रहा हैं और लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने पर मजबूर हैं।

बुजुर्गों को करवाई जा रही तीर्थ यात्रा

उन्होंने कहा कि पंजाब व दिल्ली के लोग आम आदमी पार्टी की सरकार से खुश है। उन्होंने कहा कि पंजाब व दिल्ली में बुजुर्गों को तीर्थ यात्राएं करवाई जा रही है।

चरखीदादरी। यात्रा का स्वागत करते आप कार्यकर्ता।

नहीं लिया जाता किराया

बसों में महिलाओं से किराया नहीं लिया जाता है तथा सरकारी सवाएं लोगों को घर बैठे दी जा रही है। मगर प्रदेश सरकार ने प्रोपर्टी व फैमिली आईडी के नाम पर लोगों के चक्कर कटवा रही है। पार्टी के जिलाध्यक्ष धनराज कुंडू ने कहा कि दादरी की जनता वर्षों से सीवर का पानी पी रहे है, मगर गठबंधन सरकार को आमजन के हितों से सरोकार नहीं है। चुनावों में हार के डर से अब आनन-फानन में दादरी की सड़के खोंदकर पाइप डाले जा रहे है। इस अवसर पर रिम्पी फोगाट, राकेश चांदवास, सुमित सुहाग, सार्थक सांगवान, दीपक काकड़ोली, अनीता चौधरी, रोशनी देवी, महेंद्र मैहड़ा, मनबीर सरपंच, नरेश मौड़ी, राजू बलकरा, सुरेंद्र साहू, राज सिंह पैंतावास आदि उपस्थित थे।

अन्नदाता सम्मेलन का कोई औचित्य नहीं : डॉ. तंवर

भिवानी। आप के चुनाव कैंपेन कमेटी के चेयरमैन एवं पूर्व सांसद डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि किसानों के हकों को डकारने वाले, अन्नदाताओं व उनके परिवार के बारे में अभोभनीय टिप्पणी करने वाले, अन्नदाताओं पर लाठियां व डंडे बरसाने वाले तथा 750 अन्नदाताओं की मौत की जिम्मेदार भाजपा सरकार ने अन्नदाता सम्मेलन के नाम पर एक बार फिर से किसानों को बरगलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता सम्मेलन में न किसान की आय दोगुनी हुई, न स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू हुई तथा न फसलों का एमएसपी निर्धारित करने की घोषणा की, ऐसे में अन्नदाता सम्मेलन का कोई औचित्य नहीं बनता। उन्होंने कहा कि अन्नदाता सम्मेलन में प्रदेश के मुखिया एक बार फिर से झूठ का पिटारा खोलकर तथा पहले की तरह ये घोषणाएं भी रद्दी की टोकरी में डाली जाएगी। आप द्वारा निकाली जा रही इब हरियाणा के लाल ने एक मौका केजरीवाल ने बदलाव यात्रा रविवार को भिवानी पहुंची। विभिन्न स्थानों पर फूल-माला व पुष्प वर्षा के साथ रोड शो का स्वागत किया गया। इस मौके पर पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि हरियाणा में चार अलग-अलग दिशाओं से बदलाव यात्रा 9 दिन पहले शुरू हुई थी।

बजाज क्लोथिंग शोरूम में ब्रांडेड कंपनियों की वैरायटियो की भरमार

भिवानी। शहर के बिचला बाजार बिजलीघर के निकट गौरीशंकर बजाज की फर्म बजाज क्लोथिंग शोरूम में वैवाहिक सीजन सेल पर ग्राहकों को विशेष छूट दी जा रही है। शोरूम के संचालक पूनमचंद बजाज एवं उत्कर्ष बजाज ने बताया कि सेल में अहमदाबाद, सूरत व दिल्ली से उच्च क्वालिटी के कपड़े मंगाए गए हैं। शोरूम पर दो हजार की खरीदारी पर लक्की कूपन दिया जा रहा हैं। कूपन के ड्रा में लक्की विजेताओं को चांदी के सिक्के, रेमंड बेडशीट, लैपटॉप बैग आदि दिए जाएंगे। शोरूम में ब्रांडेड कंपनियों की लेडिज सूट, वूलेन कुर्तियां व अन्य गारमेंट्स आकर्षक रंगों और डिजाइंस में उपलब्ध हैं।

प्रजापति प्रतिभा सम्मान एवं नववर्ष मिलन समारोह के लिए चलाया निमंत्रण अभियान

भिवानी। समाज की प्रतिभाओं को मंच के माध्यम से सम्मान देकर उनका उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से प्रजापति समाज 31 दिसंबर को टिबड़ेवाल सभागार में प्रजापति प्रतिभा सम्मान एवं नववर्ष मिलन समारोह करने जा रहा हैं, जिसको लेकर पदाधिकारियों ने रविवार को सांगा, बड़ाला, कायला, बामला, फूलपुरा, नौरंगाबाद आदि गांवों में निमंत्रण अभियान चलाया तथा अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण दिया। बता दें कि समारोह के आयोजन में भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन (बीपीएचओ), श्रीदक्ष प्रजापति महासभा, प्रजापति धर्मशाला समिति लोहड़ बाजार, श्रीदक्ष प्रजापति सेवा समिति हनुमान गेट, वोक्सी साईंस अकादमी का सहयोग रहेगा। निमंत्रण अभियान के पहुंची टीम का गांव नौरंगाबाद में इंद्र फौजी ने भव्य स्वागत किया। बीपीएचओ के सहसंस्थापक रमेश टांक व महासभा के प्रदेशाध्यक्ष धर्मबीर ठेकेदार ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यतिथि विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, अति विशिष्ट अतिथि डीएजी चंडीगढ़ आईएएसएस शीशराम प्रजापति आदि को न्योता दिया।

---

52 साल की हुई बवानीखेड़ा तहसील

हरिभूमि न्यूज ▶▶। बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा तहसील कार्यालय में अधिवक्ताओं द्वारा तहसील का 52वां स्थापना दिवस मनाने के लिए समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भिवानी जिला बार एसोसिएशन के प्रधान सत्यजीत पिलानिया ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और केक काट कर बवानीखेड़ा तहसील का स्थापना दिवस मनाया व साथ ही अधिवक्ताओं व आम जन को सम्बोधित किया। हालांकि इतनी पुरानी तहसील को उपमंडल का दर्जा न मिलने पर सभी के मन में टीस दिखाई दी। इस दौरान सत्यजीत पिलानिया ने बवानीखेड़ा सब बार एसोसिएशन के सर्वसम्मति से नवचयनित प्रधान अधिवक्ता अक्षय बल्हारा को कार्यभार सौंपा। अधिवक्ता अक्षय बल्हारा ने कहा कि उन्हें सर्वसम्मति से बवानीखेड़ा सब.बार एसोसिएशन का प्रधान चुना गया है वह साथी अधिवक्ताओं का धन्यवाद करते हैं। वह इस पद का बवानीखेड़ा तहसील के विकास के लिए प्रयोग करेंगे। बवानीखेड़ा तहसील को उपमंडल का दर्जा दिलवाने, तहसील परिसर में पब्लिक व जिन अधिवक्ताओं के पास चेम्बर्स नहीं उनके लिए हाल बनवाने और तहसील में अस्थाई रूप से काम कर रहे टाइपिस्टों के लिए जगह निर्धारित की जाएगी।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा तहसील का 52वां स्थापना दिवस मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

खाद्य एवं पूर्ति विभाग में मनाया राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा खाद्य एंव पूर्ति कार्यालय में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया गया। मौके पर निरीक्षक खाद्य एंव पूर्ति विभाग बिजेन्द्र सिह ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के महत्व के बारे में बताया गया । उन्होंने उपभोक्ताओं के उनके अधिकारों के बारें में जागरूक किया। उन्होंने बताया की हर उपभोक्ता को अपने अपने अधिकारों की समझ तथा पहचान होनी चााहिए। उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की वस्तु खरीदते समय उस वस्तु की शुद्धता, गुणवता, माप व वजन वस्तु के बनाने की तथा समाप्त होने की तिथि वस्तु की कीमत आदि जांच परख कर खरीदनी चाहिए।

मांगों को लेकर गरजे कर्मचारी

- सरकार की नीतियों से खफा कर्मचारी 4 फरवरी को रोहतक में करेंगे ऐतिहासिक रैली : जटासरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार की आमजन व कर्मचारी विरोधी नीतियों से खफा राज्य भर का लगभग 5 लाख कर्मचारी अपनी मांग व मुद्दों को लेकर एकजुट हो गया है तथा आंदोलन के प्रथम चरण में 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक ब्लॉक स्तर पर जनपंचायतों का आयोजन कर जनसमर्थन जुटाएंगे तथा 4 फरवरी को रोहतक में ऐतिहासिक रैली की जाएगी। जिसमें लाखों की संख्या में कर्मचारी पहुंचेंगे तथा निर्णायक आंदोलन का ऐलान किया जाएगा।

भिवानी। मांगों को लेकर नारेबाजी करते कर्मचारी।

यह बात सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा संबंद्ध अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ जिला कमेटी की मीटिंग में प्रधान सूरजभान जटासरा, उपाध्यक्ष धर्मबीर भाटी, सचिव सहदेव रंगा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र रोहिल्ला ने लघु सचिवालय के समक्ष स्थित सुरेंद्र सिंह पार्क में कही। उन्होंने कहा कि वे सार्वजनिक सेवाओं को बचाने के लिए लंबे समय से संघर्षरत्त है। वास्तव में सरकारी महकमों को बचाना अकेले कर्मचारी की मांग नहीं, यह जनता की भी प्रमुख मांग है।

ज्यादा पैसे मांगने पर करेंगे पुलिस को सूचित

मनमानी बधाई के विरोध में ग्रामीणों ने की पंचायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। बाढ़ड़ा

खुशी के अवसर पर किन्नरों द्वारा मनमानी बधाई लेने के विरोध में रविवार को गांव चांदवास में ग्रामीणों ने पंचायत का आयोजन किया। सरपंच प्रदीप की अध्यक्षता में आयोजित इस पंचायत में किन्नर भी मौजूद रहें और निर्णय लिया कि खुशी के अवसर पर 11 सौ रुपये से अधिक कोई भी ग्रामीण बधाई नहीं देगा। यदि किन्नरों द्वारा इससे अधिक बधाई लेने के लिए दबाव बनाया जाए तो ग्रामीण पुलिस को इसकी सूचना देंगे वहीं यदि कोई व्यक्ति अपनी मर्जी से खुश होकर इससे अधिक बधाई किन्नरों को देता हैं तो उसे जुर्माने के तौर पर इतनी ही राशि मंदिर में देनी होगी। किन्नरों ने भी पंचायत के फैसले पर सहमति जताते हुए कहा कि यदि कोई उन्हें खुश होकर पांच सौ रुपये बधाई देगा तो वे उसे भी 11 सौ रुपये देने के लिए परेशान नहीं करेंगे। बता दे कि विवाह.शादी, पुत्र जन्म सहित दूसरे अवसरों पर किन्नर बधाई लेने के लिए पहुंचते हैं। कई बार देखने में आया है कि किन्नर बधाई के लिए मनमानी करते हैं और उसे हजारों रुपये देने के लिए मजबूर करते हैं । ऐसे में गरीब लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए और इससे निजात पाने के लिए चांदवास के ग्रामीणों ने पंचायत आयोजित की जिसमें किन्नर भी मौजूद रहे। बीडीसी सुनिल कुमार ने बताया कि 1100 रुपये से अधिक बधाई ना ही देने व ना ही लेने का निर्णय लिया गया। जिस पर सभी ग्रामीणों व किन्नरों ने सर्वसम्मति से सहमति जताई। वहीं किन्नरों द्वारा निर्णय की अवहेलना करने पर पुलिस को सूचित कर कानूनी कार्रवाई करवाने व ग्रामीणों द्वारा अवहेलना करने पर इतनी ही राशि जुर्माने के तौर पर मंदिर में देने पर सहमति जताई। इस दौरान बीडीसी सुनिल चांदवास, सुधीर चेयरमैन, धनपत, रामवीर आदि मौजिज लोग मौजूद रहे।

बाढ़ड़ा। गांव चांदवास के मुख्य चौक में पंचायत आयोजित करते ग्रामीण

सिंघानी में आयोजित अन्नदाता सम्मेलन ने रचा इतिहास : बंटी

चरखी दादरी। भाजपा जिला महामंत्री राजेश बंटी ने कहा कि लोहारू के सिंघानी गांव में आयोजित अन्नदाता सम्मेलन में दादरी विधानसभा क्षेत्र से हजारों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लेकर सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने में अहम भूमिका निभाई है। गांव अटेला से जिलाध्यक्ष सतेंद्र परमार, राजेश बंटी व वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ वाहनों के काफिले को सम्मेलन के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि किसानों में सम्मेलन के लिए उत्साह देखने को मिला। दादरी जिले के किसानों ने रिकॉर्ड भागीदारी ने सरकार की नीतियों पर मोर लगाने का काम किया है। प्रदेश के किसान आज भी भारतीय जनता पार्टी से खुशहाल हैं। राजेश ने कहा कि आज किसानों के एक एक दाने को सरकारी रेट पर खरीदा जाता है। दूसरी सरकारों के शासनकाल में किसानों का अनाज मंडियों में सड़ जाता था, परंतु कोई खरीदने वाला नहीं होता था, लेकिन केंद्र व प्रदेश सरकार ने किसानों की पीड़ा को समझा और उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं संचालित की।

खबर संक्षेप

किसान की फैक्ट्री से 65 कट्टे ग्वार चोरी

बहल। पाजू गांव के किसान की फैक्ट्री से अज्ञात चोर 65 कट्टे ग्वार चुरा ले गए। किसान की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में पाजू गांव निवासी किसान नरेन्द्र ने बताया कि उसने पाजू चैहड़ रोड पर किसान ऑयल मिल के नाम से फैक्ट्री लगा रखी है। फैक्ट्री के बैक साइड में बने गोदाम में ग्वार के 250 कट्टे रखे थे।

36 लोगों के बीपी, शुगर व बीमारियों की जांच की

भिवानी। लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विश्व मानव रूहानी केन्द्र शाखा भिवानी द्वारा प्रत्येक रविवार को शाखा परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के तहत तहत डाबर कालोनी स्थित शाखा परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 36 मरीजों के बीपी, शुगर व अन्य बीमारियों की जांच की।

सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का लाभ उठाएं किसान

चरखी दादरी। प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने व फसल उत्पादन के दौरान होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा विभिन्न स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा किसान हित में लिए जा रहे निर्णयों को धरातल पर क्रियान्वित करवाया जा रहा है। इसी उद्देश्य से किसानों को कम पानी लागत से बेहतर व ज्यादा पैदावार लेने के लिए सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत 85 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

अधिकारों के प्रति सजग और जागरूक रहें : गोयल

भिवानी। उपभोक्ताओं को हमेशा अपने अधिकारों के प्रति सजग एवं जागरूक रहना चाहिए। किसी भी वस्तु की खरीद पर बिल अवश्य लें और खरीद करते समय उसकी एक्सपायरी डेट व उत्पाद की उपयोगिता जरूर जांचे, ये बात जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी केके गोयल ने नई अनाज मंडी स्थित सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी कार्यालय में आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस कार्यक्रम में कही।

1100 दीपों से जगमगाया जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर

- गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर में मनाया दीपोत्सव
- ज्ञान को प्राप्त करने के लिए विनम्रता है आवश्यक : साध्वी
- महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा 7वें दिन भी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यतिथि निदेशक अभियोजन एवं संयुक्त सचिव नरशेर सिंह व एसडीएम दीपक बाबूलाल को सम्मानित करते महंत चरणदास व साध्वी करुणागिरी व मंदिर में दीपोत्सव कार्यक्रम में दीप जलाते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

गीता जयंती महोत्सव के समापन पर सरकार के निर्देशानुसार देशभर के सभी मंदिरों में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसके तहत शनिवार रात पूरा देश दीपों की रोशनी से जगमगाया। इसी कड़ी में जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में 1100 दीप जलाकर दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि निदेशक अभियोजन एवं संयुक्त सचिव हरियाणा नरशेर सिंह ने शिरकत की तथा अध्यक्षता एसडीएम दीपक बाबूलाल करवा ने की। कार्यक्रम में बालयोगी महंत चरणदास महाराज का सान्निध्य रहा। बता दें कि गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में हनुमान ढ़ाणी स्थित जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में किया जा रहा है, जिसमें कथाव्यास महामंडलेश्वर साध्वी करूणागिरी द्वारा किया जा रहा है। महोत्सव के समापन पर शनिवार को मंदिर में दीपोत्सव में 1100 दीप जलाए। मुख्यतिथि निदेशक अभियोजन एवं संयुक्त सचिव नरशेर सिंह ने कहा कि आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक दोनों कारणों से दीपों का बहुत महत्व है। दीपक की रोशनी अंधकार पर जीत का प्रतीक है,वहीं दीये की लौ से निकलने वाला धुआं पर्यावरण को स्वच्छ रखता है।

इस अवसर पर ध्यानदास महाराज, पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, डीसीसीएआई महासचिव रवि चौहान, रमेश सैनी, सुनीता डागर, पूजा यादव, हरपाल सिंह डागर, अमित गोयल, ऋतु गोयल, विजय सैन, प्रमोद शर्मा आदि मौजूद रहे।

धर्म व कर्म के महत्व को समझाया

साध्वी करूणागिरी ने कहा कि गीता के उपदेश में जीवन जीने, धर्म का अनुसरण करने और कर्म के महत्व को समझाया गया है। गीता उपदेश हमेशा-हमेशा के लिए प्रासंगिक हैं। इन उपदेशों के जरिए कठिन परिस्थितियों को मात दी जा सकती है और जिनकी बुद्धि अनेक शाखाओं में विभाजित रहती है तथा मन शांत नहीं रहता, वो अपने लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर सकते, ऐसे में ज्ञान व लक्ष्य को पाने को विनम्रता आवश्यकत है।

भाजपा धर्म और जाति की राजनीति कर लोगों को बांट रही : किसान

किसान व मजदूर की खुशहाली से ही देश में होगी तरक्की: सिंह

- पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की 121वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन किए अर्पित
- भाजपा के अन्नदाता सम्मेलन के समानांतर ओबरा में गरजे किसान-मजदूर संगठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

लोहारू। ओबरा में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की 121वीं पुण्यतिथि पर महापंचायत को संबोधित करते यूपी के पूर्व विधायक प्रताप सिंह। फोटो : हरिभूमि

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह ने ताउम्र किसान व मजूदर वर्ग के हितों की लड़ाई लड़ी और उन्होंने अपने कार्यकाल में किसान और मजदूर की खुशहाली के लिए अनेक योजनाएं लागू की।

चौधरी चरणसिंह कहते थे कि किसान व मजदूर की खुशहाली से ही देश में तरक्की हो सकती हैं, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार रास्ता भटक गई है, ये बात उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक प्रताप सिंह ने कही। वे रविवार को लोहारू कस्बे के गांव ओबरा में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की 121वीं जयंती पर आयोजित महापंचायत को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों ने महापूंजीपतियों से हाथ मिला लिया है, उनके हिसाब से नीतियां बनाई जा रही है, जिससे किसान और मजदूरों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के चुनाव में जनता इन राजनीतिक पार्टियों व नेताओं से चुन-चुन कर बदला लेगी।

किसान नेताओं ने कहा कि भाजपा देश में धर्म और जाति की राजनीति कर रही है और लोगों को आपस में बांटकर अपना स्वार्थ साध रही है, उनसे सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने भाजपा के अन्नदाता सम्मेलन पर सवाल करते उठाते हुए कहा कि भाजपा और उनके सहयोगी बतायें कि उन्हें 13 महीने तक चले किसान आंदोलन में एक बार भी किसान और मजदूरों की याद क्यों नहीं आई, इसी को ध्यान में रखते हुए सबको एकजुट होकर 2024 के चुनाव में भाजपा और उनके दलालों को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना हैं।

केंद्र और गठबंधन सरकार को जड़ से उखाड़ने को एकजुटता जरूरी

किसान सभा के प्रदेशाध्यक्ष बलबीर सिंह ने कहा कि आगामी चुनावों में हार के भय को देख भाजपा को आज किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह की याद आई है। कामरेड ओमप्रकाश ने युवाओं, किसान, मजदूर और महिलाओं की ओर से प्रस्ताव रखते हुए कहा कि एकजुट होकर केंद्र और गठबंधन सरकार को जड़ से उखाड़ेंगे। भाकियू युवा के प्रदेशाध्यक्ष रवि आजाद ने कहा कि किसान और मजदूर की एकजुटता के कारण खेल मंत्रालय को कुश्ती संघ का हाल ही में हुआ चुनाव रद्द करना पड़ा।

इनकी अध्यक्षता में हुई महापंचायत

महापंचायत की अध्यक्षता श्योराण खाप के प्रधान कर्मबीर फरटीया, अशोक आर्य, किसान सभा से धनपत सुबेदार, रामफल देशवाल, रामकिशन भाकर, किसान मुक्ति मोर्चा पृथ्वी सिंह, भाकियू चढ़ुनी के नरेश पहाड़ी, बिजेन्द्र सिंह हरियावास टिकैत ग्रुप, भाकियू के आजाद सिंह भूंगला, उमेद फरटिया ने की। मंच संचालन दयानन्द पूनिया, अशोक शास्त्री, धर्मपाल बारवास व कविता आर्य ने किया।

इन्होंने किया संबोधित

महापंचायत को कमल सिंह प्रधान, मास्टर जगरोशन, कामरेड ओमप्रकाश, मेवा सिंह आर्य, राजू मान, सांगवान खाप से रणधीर सिंह घिकाड़ा, फोगाट खाप से शमशेर फोगाट, जाटू खाप से कुलदीप धनाना, जोगेन्द्र तालू, जगबीर घसोला, रणबीर घिकाड़ा, गंगाराम श्योराण, चिड़िया पंचगामा प्रधान राजबीर शास्त्री, महिला नेत्री सन्तोष देशवाल, कमलेश भैरवी, महेन्द्रपाल यादव व जयपाल सिंह ने भी संबोधित किया।

भिवानी। राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय बहल में विज्ञान मेले के दौरान बच्चों को विज्ञान के प्रयोग करके दिखाते विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को अनेक प्रयोग दिखाए

भिवानी। हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति जिला भिवानी द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय बहल में विज्ञान मेले का आयोजन किया, जिसमें बहल के दोनों वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विज्ञान मेले में समिति की जिला टीम की ओर से जिलाध्यक्ष मास्टर वजीर सिंह, राज्य कोषाध्यक्ष व जिला सचिव नंदकिशोर सोलंकी, वेदप्रिय, मास्टर रणसिंह, जिला ऑडिटर विजय दहिया व चित्रा हिसार ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन सोलंकी ने किया तथा अध्यक्षता सेवानिवृत्त उप जिला शिक्षा अधिकारी धूपसिंह व प्राचार्य कृष्ण कुमार यादव ने संयुक्त रूप से की। सोलंकी ने समिति के कार्यों व उद्देश्यों को विस्तारपूर्वक छात्र-छात्राओं तथा स्टाफ सदस्यों को बताया। मास्टर रणसिंह ने चमत्कारों का पदार्फाश कार्यक्रम बच्चों के सामने दिखाया। उन्होंने विज्ञान के अनेक प्रयोग करके दिखाए।

भिवानी। योगीनाथ धर्मशाला में ओबीसी समाज की बैठक में उपस्थित लोग।

ओबीसी समाज फूंकेगा सरकार का पुतला

भिवानी। सेवा नगर कॉलोनी स्थित योगी नाथ धर्मशाला में ओबीसी समाज की बैठक रामचंद्र स्वामी की अध्यक्षता में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 31 दिसंबर को महम चबूतरे से केंद्र सरकार का पुतला फूंका जाएगा। बैठक में अतिथियों का मास्टर अशोक योगी ने पहुंचने पर अभिनंदन एवं स्वागत किया। इस अवसर पर ओबीसी नेता हनुमान प्रजापति, तेजवीर सेन, महेंद्र पांचाल, धर्मवीर डाबला, सुरेंद्र लंबा, राजवीर लंबा लोहानी, सतबीर पवार, सुरेश लांबा, महेंद्र प्रजापत, नरेश, गणेशीलाल वर्मा, देवेंद्र वर्मा एडवोकेट, विजेंद्र सिंह एडवोकेट, पूर्णचंद योगी, रामसिंह वेद, प्रताप जांगड़ा, नरेश पांचाल आदि ने अपने विचार रखें।

भिवानी। गीता महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम की पुस्तुति देते युवा।

अमीट छाप छोड़ गया गीता महोत्सव

चरखी दादरी। विभिन्न संस्थाओं और लोगों के सहयोग के चलते आयोजित अंरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कुछ अलग रहा है और महोत्सव लोगों के दिलों पर एक अमीट छाप छोड़ गया। व्यवस्थित आयोजन को लेकर सभी लोगों ने प्रशासन की सराहना की और उम्मीद जताई कि दादरी में आगे भी ऐसे आयोजन होते रहे। सफल आयोजन के लिए उपायुक्त मनदीप कौर ने सभी सहयोगी संस्थानों और लोगों का आभार जताया है। जिला बनने के बाद से दादरी में छठी बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन 22 व 23 दिसंबर को शहीद दलबीर सिंह मॉडल संस्कृति राजकीय वमा विद्यालय में किया गया। आयोजन को लेकर उपायुक्त ने सभी धार्मिक, सामाजिक व शिक्षण संस्थानों से सहयोग का अनुरोध किया था और संस्थाओं और लोगों ने सहयोग किया।

धीरज ने जीता कांस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

पिछले दिनों लखनऊ में आयोजित नेशनल स्कूली खेल प्रतियोगिता की डिस्कस थ्रो में गांव रानीला निवासी धीरज साहू ने कांस्य पर कब्जा किया है।

गांव लौटने पर रविवार को ग्रामीणों द्वारा धीरज साहू को सम्मानित किया और उसके उज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ी धीरज के पिता सुरेंद्र साहू ने बताया कि नेशनल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के अंडर 14 वर्ग में बीसीएम स्कूल के छात्र धीरज ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पहली बार नेशनल स्तर पर कांस्य पदक पर कब्जा किया है। धीरज ने प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए डिसकस थ्रो में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इससे पहले धीरज ने नॉर्थ जोन, जूनियर वर्ग में स्टेट व जिला स्तर पर कई मेडल जीत चुका है। बेटे के पदक जीतने पर पूरे गांव व क्षेत्र में खुशी की लहर है।

रामकिशन शर्मा ने जीते तीन गोल्ड

बाढ़ड़ा। चरखी दादरी जिला निवासी बुजुर्ग खिलाड़ी रामकिशन शर्मा ने एक बार फिर से अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने दिल्ली में आयोजित नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता की तीन प्रतिस्पर्धाओं में अपने आयुवर्ग में दूसरे खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए तीन गोल्ड मेडल हासिल किए हैं। रविवार को खेल प्रेमियों ने उनको जीत की बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। बता दे कि 23 दिसंबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में वैटर्न एथलेटिक्स एसोसिएशन दिल्ली द्वारा 40 वें वार्षिक एथलेटिक्स मीट का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। रामकिशन शर्मा ने 70 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में हरियाणा प्रतिनिधित्व करते हुए डिस्कस थ्रोए शॉट. पुट व ज्वेलिंग थ्रो में पहला स्थान हासिल करते हुए तीन गोल्ड मेडल हासिल किए। उनकी जीत पर युवा जनहित ट्रस्ट सदस्य मोहित फौगाट, अशोक वर्मा, रामपाल जांगड़ा, सज्जन सिंह, अजय टोनी आदि ने उनको जीत की बधाई दी है।

बाढड़ा। पदक विजेता बुजुर्ग खिलाड़ी रामकिशन शर्मा।

बाढ़ड़ा। 106 वर्षीय मेडल विजेता रामबाई अपनी बेटी व नातिन के साथ।

106 वर्षीय रामबाई ने जीते 3 गोल्ड मेडल

- तीन पीढ़ियों के साथ शिरकत कर जीते 9 मेडल

बाढ़ड़ा। गांव कादमा निवासी 106 वर्षीय रामबाई ने दिल्ली में आयोजित नेशनल प्रतियोगिता में भागीदारी की। जहां उन्होंने तीन गोल्ड मेडल हासिल कर साबित कर दिया कि उम्र पर जीत का जज्बा कितना भारी है। वहीं उनके साथ प्रतियोगिता में भागीदारी कर रही उनकी बेटी व नातिन ने भी अपने आयु वर्ग में तीन.तीन मेडल हासिल किए हैं जिससे खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है और उन्होंने खिलाड़ियों को जीत की बधाई दी है। बता दे कि कादमा निवासी रामबाई अपनी तीन पीढ़ियों के साथ 23 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित नेशनल वैटर्नस एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहुंची जहां उन्होंने 105 वर्ष से अधिक आयुवग में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन गोल्ड मेडल हासिल किए। उन्होंने अपने आयु वर्ग में 100 मीटर फर्राटा दौड़,शॉटपुट व डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान हासिल कर तीन गोल्ड मेडल अपने नाम किए।

भिवानी। महाविद्यालय का निरीक्षण करती नैक पीयर टीम। फोटो : हरिभूमि

नैक टीम ने पाठ्यक्रम का किया मूल्यांकन

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय का दौरा करने व सेल्फ स्टडी रिपोर्ट को मान्य करने के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा टीम का गठन किया। टीम में अध्यक्ष कुलपति डॉ. विष्णु मागरे, प्रवारा मेडिकल शिक्षण संस्थान, महाराष्ट्र से समन्वयक डॉ. शीतल कुमार चट्टोपाध्याय, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल से व सदस्य डॉ. तरणजीत सूद, सेवानिवृत्त प्राचार्या एसआईसीए कॉलेज मध्यप्रदेश से रही। उन्होंने 22 से 23 दिसंबर तक महाविद्यालय का दौरा किया। टीम ने प्राचार्या व संचालन समिति के साथ बैठक की और महाविद्यालय की कार्यप्रणाली का औपचारिक निरीक्षण किया। उन्होंने दौरे के दौरान पाठ्यक्रम, शिक्षण और सीखने की गतिविधियों, अनुसंधान कार्य, विस्तार, पाठ्यक्रम योजनाएं, सीखने की सुविधाओं का मूल्यांकन किया।

दु:ख के क्षणों में भक्ति छोड़ने की बजाय, बुरे कर्म त्याग दें : कंवर साहेब

पहले योग्य बनो, फिर इच्छा करो : कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब। फोटो : हरिभूमि

अक्सर भक्ति के मार्ग में हम दूसरों को अपने से अधिक धन्य या सुखी देखकर द्वेष की भावना से ग्रसित हो जाते हैं। हम सोचते हैं कि जिस सुख, आशीर्वाद, समृद्धि या आनंद को दूसरे अपने गुरु या इष्ट से प्राप्त करते हैं, वही मुझे भी सहजता से मिल जाना चाहिए। जब हम दूसरों की प्रगति से ईर्ष्या करते हैं तो पहले यह आत्म-मंथन करना चाहिए कि क्या हममें भी उसी प्रकार की लग्न और समर्पण है। क्या हम भी उतनी ही मेहनत और समर्पित प्रयास कर रहे हैं जितनी वह कर रहे हैं।

यह सत्संग वचन राधा स्वामी दिनोद के परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने गांव दिनोद स्थित आश्रम में साध.संगत को फरमाए। उन्होंने बताया कि यूं तो सभी आसमान में उड़ने की चाह रखते हैंए परंतु आकाश में उड़ान भरने के लिए आवश्यक साहस, जज्बा और दृढ़ संकल्प की सोच हर किसी में नहीं होती। क्या हममें वह दृष्टिकोण है जो हमें आसमान छूने की शक्ति दे सके। मैं अक्सर इस सिद्धांत पर जोर देता हूं कि पहले योग्य बनो, फिर इच्छा करो श्यानी सबसे पहले अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत से काम करो और फिर उसे प्राप्त करने की आशा रखो। क्योंकि मनुष्य में अपार शक्ति है, जो कुछ वह सोचता है, वही वह कर सकता है। हालांकि जो लोग विषय.वासनाओं के दास हैं, विकारों से ग्रस्त हैं, लालच और स्वार्थ से बंधे हैं और जिनके हृदय में छल.कपट का वास है वे न तो कुछ अर्थपूर्ण हासिल कर सकते हैं और न ही वे भक्ति के योग्य हैं। भक्ति के मार्ग पर चलते हुए भी हम वफादारी नहीं दिखाते। जब कष्ट, परेशानी या संकट आते हैं तब हम अपने गुरु या इष्ट की शरण में जाते हैं। लेकिन जब हमें सुख और खुशियां मिलती हैं तो हम इन्हें अपने भाग्य का फल मानते हैं और गुरु की भूमिका को भूल जाते हैं। यह भक्ति का सच्चा स्वरूप नहीं है। इसलिए अगर भक्ति के मार्ग पर चलते हुए अगर किसी की रीस करते हो तो उस रीस को निभाओ। कंवर साहेब महाराज ने बताया कि उस गुरु या इष्ट की अनवरत भक्ति करो जिनके प्रति आप समर्पित हैं चाहे परिस्थितियां सुखद हों या दुखद। हम अपने व्यवसाय में, चाहे अपने मालिक से कितनी भी आलोचनाएं सुननी पड़ें, रोजाना मेहनत करते हैं ताकि दो वक्त की रोटी कमा सकें। तो फिर जब बात परमात्मा की आती है जो इस सम्पूर्ण जगत के स्वामी हैं, तो हमें उनके द्वारा दिए गए सुख और दुःख को क्यों न सहन करें। दुःख के क्षणों में भक्ति छोड़ने की बजाय हमें अपने बुरे कमोंर् को त्याग देना चाहिए। किसी और को दोषी ठहराने से पहले अपने कमारे् और अपने आप को दोषी ठहराया करो। कठिन समय में भी छल.कपट से दूर रहो, धोखाधड़ी से बचो और अपने काम को सच्चाई के साथ अंजाम देते हुए परमात्मा की भक्ति में अडिग रहो तो वह परमात्मा स्वयं आपकी सहायता के लिए आगे आएगा।

दूसरे दिन भी धुंध ने वाहनों के रोके कदम

भिवानी। रविवार को भी अल सुबह से धुंध की चादर तनी रही। धुंध की जबरदस्त गहनता के चलते वाहनों के पहिए धीमें पड़ गए। हालांकि जिस तरह से दिन चढ़ने लगा। उसी हिसाब से धुंध की चादर भी फटी,लेकिन धुंध की गहनता के चलते वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। धुंध हटने के बाद वाहनों ने सही ढंग से रफ्तार पकड़ी। दूसरी तरफ धुंध शुरू होते ही पारे ने भी गोता मारना आरंभ कर दिया। रविवार को आठ डिग्री से लूढकर पारा सात डिग्री सेल्सियस पर आ गया। जिसकी वजह से शहर व देहात में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त धुंध की चादर तनी हुई थी। गहनता के चलते लोगों को दस मीटर से ज्यादा दूरी का नजर नहीं आ रहा था। यह स्थिति सुबह दस बजे तक रही। दृश्यता कम होने के चलते वाहन चालकों को वाहनों की लाइटें जलाकर एक दूसरे के पीछे चलकर गंतव्य तक पहुंचे।

गुप्त व यौन रोग
गुप्त रोग, नामर्दी, शीघ्रपतन, धात, स्वप्न दोष, वीर्य/कम शुक्राणु आदि से छुटकारा पाएं।
जोश व टाईम बढ़ाएं
महिलाओं में कमजोरी, सफेद पानी, प्रेगनेंसी न होना, ब्रेस्ट क्रीम लें।
गैस, कब्ज, फैटी लीवर, भूख न लगना, शुगर, मोटापा घटाएं
ताकत का कोर्स लें Rs.550/-
पिछले 25 वर्षों से सेवारत्
जुनेजा क्लीनिक
9728321662
भिवानी रोजाना मिले (9am to 7pm)
पताः 1stफ्लोर, रोहतक गेट, इण्डियन पेट्रोल पम्प के सामने, निकट सब्जी मण्डी
Facebook पर हमारे पेज, जुनेजा क्लीनिक भिवानी को Like & Share करें।